देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में हुआ युवार्थ का विमोचन

इन्दौर।

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के छात्र द्वारा राष्ट्रीय विचारधारा पर आधारित, लिखी गयी पुस्तक युवार्थ का विमोचन कुलपति प्रो. रेणु जैन द्वारा विश्विद्यालय मुख्यालय नालन्दा परिसर में किया गया।

युवा विचारधारा पर आधारित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्विद्यालय कुलपति प्रो. रेणु जैन, कार्यक्रम की अध्यक्षता भोडिया भवन की विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे,व कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति का स्वागत छिंदवाड़ा निवासी मोहन डेहरिया ने किया।

वही कुलपति प्रा.रेणु जैन ने पुस्तक की शुरुआत की ही दो पंक्तियों को पढ़ कर पुस्तक की अतुल्य सराहना करते हुए सभी छात्रों को युवार्थ से प्रेरणा लेने की बात कहते हुए कहा कि यह पुस्तक युवाओं का मार्गदर्शन करेगी। क्योंकि यह एक अनुभव व संघर्ष से निर्मित पुस्तक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला की विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे ने उपस्थित सभी छात्रों व अतिथियों को समाज में साहित्य से जुड़े तथ्यों से अवगत कराते हुए, आने वाले समय में साहित्य के क्षेत्र में प्रयास करने वाले छात्रों को सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जाने के प्रयास को साझा किया, साथ ही आपने यह बताया कि, हम हर महीने किसी एक विषय में एक प्रयोग निकालते हैं, वह प्रयोग छात्रों द्वारा ही किसी एक विषय को चुनकर लिखा जाता है,जो पत्रकारिता के छात्रों को प्रगति की ओर बढ़ने के लिए एक उचित मार्गदर्शन होता है।

आपको बता दें कि नितिन पिछले छः वर्ष से विश्वविद्यालय में संगठनात्मक तौर पर, कुशल छात्र नेता की छवि में कार्य करते रहे है, जो विचारधारा पर आधारित सबसे कम उम्र में पुस्तक लिखने वाले हैं।

सभा मे उपस्थित छिंदवाड़ा निवासी नितिन डेहरिया के पिता मोहन डेहरिया जो लगातार 36 वर्षों से समाजसेवक के रूप में सक्रिय हैं, उन्होंने अपने विचारों को प्रकट करते हुए कहा कि, नितिन जिन दायित्वों के साथ पांच वर्षों से इतना संघर्ष किया और यहां तक पहुचा यह हमें इस कार्यक्रम में पहुंच कर ही ज्ञात हुआ। सभी के बीच अपने विचारों को साझा करते वक्त उनकी आंखें भर गई। कार्यक्रम में पुस्तक के लेखक नितिन मोहन डेहरिया ने अपने वक्तव्य से सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि, युवार्थ की शुरुआत एक दो साल को ही नहीं, बल्कि बचपन से पिता जी के संघर्षों को देखकर व उनके दिए गए संस्कारो से हुई है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र एवं कल्याण विभाग प्रमुख डॉ. एल के त्रिपाठी, भोडिया भवन शिक्षकगण के साथ पत्रकारिता विभाग के शोधकर्ता, उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला की विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं डॉ सोनाली नरगुंदे ने संस्थान के छात्रों की लगातार कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति व आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया